SATYA MicroCapital Ltd.

सर्वे भवन्तु सुखिनः

(RBI Registered NBFC MFI)

Great Place To Work. Certified JUL 2021–JUL 2022 INDIA

Inside SATYA

Jan - Mar, 2022
Vol 03, Issue 02

Your Quarterly Infotainment Magazine

VISION

"To be a catalyst for the socio-economic upliftment of 5 million households by the year 2025"

"वर्ष 2025 तक 50 लाख परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए एक उत्प्रेरक होना"

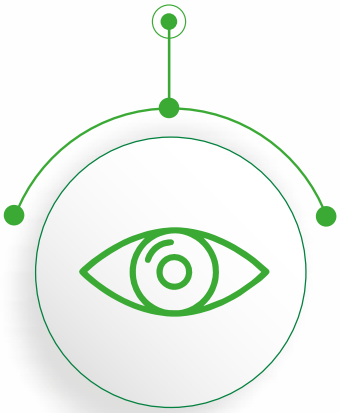

SATYA
सर्वे भवन्तु सुखिनः

MISSION

"To be a preferred choice for the people at bottom of pyramid in creation of their enterprise & livelihood through holistic approach"

"सीमित सुविधा प्राप्त लोगों की आजीविका एवं उद्यम-विकास हेतु, बृहद दृष्टिकोण के साथ, एक प्राथमिक विकल्प होना"

MOTTO

"May all be Prosperous and Happy"

"सर्वे भवन्तु सुखिनः"

विषय सूची

MD की कलम से	04-05
समाचार	06
ग्राहक सुरक्षा सिद्धान्त	07
पंचतंत्र की कहानियाँ	08-09
कवर स्टोरी - कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन शोषण	10-11
फनकार	12-13
किस्सागोई	14
क्लाईंट स्टोरी	15
मन की बात	16
शक्सियत - माइकल जॉर्डन, ओपरा विन्फ्रेय	17
स्ट्रेटेजिक मीट	18
कबीर शाश्वत	19
सत्या के सितारे	20
मानसून टिप्स	21
रेसिपी	22
नज़रिया बदलें	23
दुनिया गज़ब की	24
भारत के बारे में कुछ रोचक तथ्य	25
सत्या संदेश	26
ग्रेट प्लेस टू वर्क	27
EGRM	28
Workplace	29
COVID Preventive Measures	30
Life @ Satya	31

MD की कलम से

नमस्कार साथियों,

आशा करता हूँ कि आप सभी सकुशल व स्वस्थ होंगे ।

सबसे पहले आप सभी को इस नए वित्तीय वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। पिछला वित्तीय वर्ष हमारे लिए अत्यंत सफल रहा। हमने बहुत से कीर्तिमान स्थापित किए जिसमें हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि रही, 2800 करोड़ के लक्ष्य को पार करना जो हमने मार्च 31 को हासिल किया। इसी के साथ ही दुनिया की किसी भी माइक्रोफ़ाइनेंस कंपनी के लिए यह सबसे कम समय मे हासिल किया गया लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने मे आप सभी सहयोगियों का योगदान रहा, जिसके लिए मै आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ और कंपनी के प्रति आपकी कर्तव्यनिष्ठा और जज़्बे को सलाम करता हूँ।

इसी के साथ ही आशा करता हूँ कि आने वाले वर्ष के लिए हमने जो 6000 करोड़ का लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने की तैयारी हम आज से ही शुरू कर दें। और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कौशल और ज्ञान का विकास करते रहना होगा। यह न केवल टारगेट हासिल करने के लिए आवश्यक है अपितु आपके अपने उज्जवल भविष्य के लिए भी बहुत ज़रूरी है। बदलते समय और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ व्यक्ति को भी अपने अंदर कुछ बदलाव करते रहना चाहिए और उसके लिए ज़रूरी है निरंतर नयी-नयी चीज़ों को सीखते हुए, समझते हुए अपने ज्ञान और कौशल में वृद्धि करते रहना। अगर हम सीखना छोड़ देंगे, नयी तकनीक, नए तरीकों को नहीं अपनाएंगे तो हमारी अपनी उन्नति भी रुक जाएगी। आपके भविष्य और आपकी तरक्की को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने ट्रेनिंग विभाग को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु, हर जोन में एक ट्रेनर की नियुक्ति की है, ताकि वह लगातार अपने जोन की सभी शाखाओं के सभी कर्मचारियों के ज्ञान और कौशल विकास हेतु नियमित प्रशिक्षण आयोजित करता रहे।

केवल ज्ञान और कौशल ही नहीं, जब हम बात करते हैं एक मज़बूत कंपनी की, तो बहुत ज़रूरी हो जाता है इस बात पर भी उतना ही ध्यान देना कि आपका व्यवहार आपके सहकर्मियों और आपके ग्राहकों के साथ कैसा है। हम एक लोन प्रदान करने वाली कंपनी हैं और हमारे लिए हमारे ग्राहकों से बढ़कर कुछ नहीं। कोई भी लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब हमारा ग्राहक हमारी सेवाओं से और हमारे उत्पादों से संतुष्ट रहेगा। अतः इसके लिए ज़रूरी है, ग्राहकों के साथ सदैव ही सम्मानजनक और उचित व्यवहार करना। लक्ष्यपूर्ण करने हेतु जो दूसरी सबसे ज़रूरी चीज है, वह है टीम। एक अच्छी टीम के बिना किसी भी

लक्ष्य तक पहुँच पाना नामुमकिन है, टीम तभी मज़बूत होगी जब हमारा व्यवहार हमारे सहकर्मियों से उचित और सम्मानजनक होगा। तभी हम साथ मिलकर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि RBI नेअप्रैल 2022 से NBFC-MFI के लिए नए दिशानिर्देश जारी किये हैं, जिसके तहत कंपनी की बहुत सी प्रक्रियाओं में भी बदलाव आया है। जैसे कि पारिवारिक आय और ग्राहक के नियमित खर्चों का ठीक से आंकलन करना, प्रोडक्ट इंटरेस्टरेट और अन्य लागू शुल्क, ग्लो- एप्लीकेशन में भी नए दिशानिर्देशों के हिसाब से कुछ बदलाव किये गए हैं इत्यादि। यह बदलाव काफी सकारात्मक हैं, जो भविष्य में ग्राहक और कंपनी, दोनों के लिए ही हितकारी साबित होंगे। आने वाला वित्तीय वर्ष हमारे लिए एक नया शिखर तय करेगा और अपनी रफ्तार में 5 गुना तेजी लाकर कंपनी के लक्ष्य को 2025 तक पूरा करने की ओर हमअग्रसर रहेंगे।

'सत्या' का ये सफ़र, हमारे निवेशकों और ऋणदाताओं के समर्थन एवं सहयोग के बिना संभव नहीं हो पाता। इसलिए हम उन सभी निवेशकों और ऋणदाताओं के भी आभारी हैं जिन्होंने न केवल अच्छे वक़्त में, अपितु विषम परिस्थितियो में भी 'सत्या' का साथ दिया। एक लोन प्रदाता कंपनी होने के नाते, नियमित रूप से फंडिंग मिलते रहना बहुत आवश्यक है और हम सौभाग्यशाली हैं कि शुरुवात से ही 'सत्या' को कभी भी फंडिंग की दिक्कत नहीं हुई। इसका कारण, 'सत्या' की नीतियां, मज़बूत ऑपरेशनल प्रक्रियाएं और एक अद्भुत टीम है जिसने कर्मठता से इन प्रक्रियाओं और नीतियों का पालन किया है।

अगला लक्ष्य जो हमने तय किया है वो आसान नहीं, परंतु सत्या की टीम के लिए नामुमकिन कुछ भी नहीं, ये मेरा विश्वास है। इसलिए कोई भी लक्ष्य, कोई भी चुनौती, अब मुझे बड़ी नहीं लगती क्योंकि मेरे पास दुनिया की सबसे अच्छी और मज़बूत टीम है जो 'सत्या' के उत्तरोत्तर विकास एवं विस्तार हेतु दृढ़ संकल्पित है।

तो आइए, चलते हैं नए वित्तीय वर्ष में, नए कीर्तिमान स्थापित करते हैं और 2022-23 को भी सफ़ल बनाते हैं।

ढेरों शुभकामनाएँ और शुभेच्छा सहित,

आपका

विवेक तिवारी

सत्या समाचार

1.) सत्या शक्ति फ़ाउंडेशन ने पंजाब में लोगों के लिए मुफ़्त शिविरों का आयोजन किया।

2.) मशहूर अंतर्राष्ट्रीय फुटबोलर संगीता सोरेन बनीं सत्या माइक्रोकैपिटल की ब्रांड एंबेसडर। संगीता झारखंड की रहने वाली हैं।

3.) सत्या माइक्रोकैपिटल ने स्विस इम्पैक्ट इन्वैस्टर से 42 करोड़ रुपये की डेट फंडिंग प्राप्त की।

4.) सत्या माइक्रोकैपिटल बिज़नस विस्तार हेतु मौजूदा निवेशक से $22 मिलियन जुटाएगी।

5.) सत्या माइक्रोकैपिटल ने मार्च ८ को, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विजयालक्ष्मी दास उध्यमिता पुरस्कार के दूसरे चरण का आयोजन किया।

6.) NBFC-MFIs के लिए RBI द्वारा जारी किए गए नए दिशानिर्देश, जिसके तहत RBI ने margin cap हटा दिया है, जिससे BoP के लिए borrowing cost बढ़ने की संभावना है।

SATYA Business Snapshot

Parameters	Data as on 31st March, 2022
Number of States	21
Number of Districts	228
Number of Branches	338
Number of Villages	31,651
No. of Clients	8,73,348
Number of Active Loans	8,79,658
Cumulative Loan Disbursed	Rs. 5616.34 Cr.
Loan Outstanding	Rs. 2884 Cr.

Industry Snapshot

Overall Status of Portfolio, Unique Borrowers and Loan Accounts								
31-Mar-2022					31-Mar-2021			
Type of Entity	No. of Entities	Unique Borrowers (Cr.)	Active Loan accounts (Cr.)	Portfolio Outstanding (Rs Cr)	No. of Entities	Unique Borrowers (Cr.)	Active Loan accounts (Cr.)	Portfolio Outstanding (Rs Cr)
NBFC-MFIs	84	2.7	4.2	1,00,407	85	2.6	3.7	80,549
Banks	12	2.9	4.3	1,14,051	13	2.9	4.3	1,13,271
SFBs	9	1.4	1.8	48,314	8	1.5	1.8	41,170
NBFCs	58	0.7	0.8	19,698	53	0.8	0.9	21,673
Others	39	0.1	0.2	2,971	29	0.1	0.2	2,714
Total	202	5.8	11.3	2,85,441	188	5.9	10.8	2,59,377
DPD 0-179	202		10.1	2,61,818	188		10.2	2,47,938
Ever MFI	206	5.8	11.5	2,87,943	193	6.1	11.2	2,87,014

ग्राहक सुरक्षा सिद्धान्त

ग्राहक सुरक्षा सिद्धान्त क्या है और क्यूँ ज़रूरी है?

ग्राहक सुरक्षा सिद्धांत उस देखभाल के मानक को स्पष्ट करते हैं जो ग्राहकों को वित्तीय सेवा प्रदाताओं के साथ व्यापार करते समय प्राप्त करने की अपेक्षा करनी चाहिए। ग्राहक सुरक्षा के सात सिद्धान्त होते हैं और एक जिम्मेदार वित्तीय सेवा प्रदाता को ग्राहको को वित्तीय सेवा प्रदान करते वक़्त इन सातों सिद्धांतों का नैतिकता से पालन करना चाहिए ताकि व्यवसाय को प्रभावी बनाया जा सके और ऐसा करते वक़्त किसी भी स्टेज पर ग्राहकों के हित का हनन न हो। यह सात सिद्धान्त इस प्रकार हैं:

1. उपयुक्त उत्पाद डिज़ाइन और वितरण - सत्या उत्पादों और वितरण चैनलों को डिजाइन करने के लिए पर्याप्त देखभाल करता है जिससे हमारे ग्राहकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे। उत्पादों और वितरण चैनलों को ग्राहक विशेषताओं के साथ डिज़ाइन किया जाता है।
2. अधिक कर्जभार से रोकथाम - सत्या क्रेडिट प्रक्रिया के सभी चरणों में पर्याप्त जांच करता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि ग्राहकों के पास ऋणग्रस्त होने के बिना चुकाने की क्षमता है।
3. पारदर्शिता - सत्या स्थानीय भाषा में स्पष्ट, पर्याप्त और सामयिक जानकारी का संचार करता है जिसे ग्राहक समझ सकते हैं ताकि ग्राहक सही निर्णय ले सकें।
4. जिम्मेदार मूल्य निर्धारण - मूल्य, नियम, और शर्तें इस तरह से सेट की जाती हैं कि ग्राहकों के लिए सस्ती हो और कंपनी को भी इससे कोई हानि न पहुंचे।
5. ग्राहक के साथ उचित और सम्मानजनक व्यवहार - सत्या ग्राहकों के साथ उचित और सम्मानपूर्वक व्यवहार करता है। हम भेदभाव नहीं करते। सत्या भ्रष्टाचार और अपमानजनक उपचार का पता लगाने और उसे ठीक करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करता है।
6. ग्राहक डाटा की गोपनीयता - व्यक्तिगत ग्राहक डेटा की गोपनीयता का सम्मान स्थानीय कानूनों और नियमों के अनुसार किया जाता है और इसका उपयोग केवल उन उद्देश्यों के लिए किया जाता है जिस उद्देश्य से ये जानकारियाँ एकत्र की गईं थीं और वह भी ग्राहक की सहमति के साथ।
7. ग्राहक शिकायत निवारण तंत्र - सत्या के पास ग्राहकों की शिकायतों और समस्या समाधान के लिए समयबद्ध और उत्तरदायी तंत्र हैं और समस्याओं को हल करने एवं उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए उनका उपयोग किया जाता है।

सत्या जैसी जिम्मेदार संस्था के कर्मचारी होने के नाते हमारा यह फर्ज़ है कि हम सभी इन ग्राहक सुरक्षा सिद्धांतों का सख्ती से पालन करें तभी हम एक मजबूत एवं सतत कंपनी की नीव रख पाएंगे।

पंचतंत्र की कहानियाँ

दोस्तों, पंचतंत्र की कहानियाँ हम सभी ने बचपन में सुनी ही होंगी। अक्सर पंचतंत्र नाम के उच्चारण से हमें ऐसा प्रतीत होता हैं की हम किसी बड़े नीतिशास्त्र के बारे में चर्चा कर रहे हैं। वैसे देखा जाये तो पंचतंत्र का असली नाम 'नीति शास्त्र' ही हैं। पंचतंत्र कि मूल रचना संस्कृत भाषा में पंडित विष्णु शर्मा ने की थी। संस्कृत की नीति कथाओं में पंचतंत्र का प्रथम स्थान हैं। पंचतंत्र की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता हैं कि यह विश्व की 50 से भी अधिक अलग-अलग भाषाओं में इसका अनुवाद हो चुका हैं।

पंचतंत्र को मुख्य रूप से 5 भागों में बांटा गया हैं:

1. **मित्रभेद (मित्रों में मनमुटाव व अलगाव),**
2. **मित्रलाभ अथवा मित्रसंप्राप्ति (मित्र प्राप्ति और उसके लाभ),**
3. **काकोलुकीयम् (कौवे एवं उल्लुओं की कथा),**
4. **काकोलुकीयम् (कौवे एवं उल्लुओं की कथा),**
5. **अपरीक्षित कारक (जिसको परखा नहीं गया हो उसे करने से पहले सावधान रहें ; हड़बड़ी में कदम न उठायें)।**

पंचतंत्र की कहानियों में पात्रों में मनुष्य के अलावा पशु-पक्षी भी हैं, उनके माध्यम से कई शिक्षाप्रद बातें बतलाई गयी हैं।

पंचतंत्र का इतिहास

पंचतंत्र का इतिहास बहुत ही रोचक हैं। लगभग 2000 साल पहले पूर्व दक्षिण के किसी जनपद में एक नगर था महिलारोप्य। वहाँ का राजा अमरशक्ति बड़ा ही पराक्रमी तथा उदार था। संपूर्ण कलाओं में पारंगत राजा अमरशक्ति के तीन पुत्र थे बहुशक्ति, उग्रशक्ति तथा अनंतशक्ति। राजा स्वयं जितना ही नीतिज्ञ, विद्वान्, गुणी और कलाओं में पारंगत था, दुर्भाग्य से उसके तीनों पुत्र उतने ही उद्दंड, अज्ञानी और दुर्विनीत थे।

राजा अमरशक्ति ने अपने लड़कों को व्यावहारिक शिक्षा देने का बहुत प्रयास किया लेकिन उन पर किसी बात का असर नहीं हुआ। थक-हारकर एक राजा ने अपने मंत्रीमंडल से कहा कि "मूर्ख और अविवेकी पुत्रों से अच्छा तो निस्संतान रहना होता। पुत्रों के मरण से भी इतनी पीड़ा नहीं होती, जितनी मूर्ख पुत्र से होती है। मर जाने पर तो पुत्र एक ही बार दुःख देता है, किंतु ऐसे पुत्र जीवन-भर अभिशाप की तरह पीड़ा तथा अपमान का कारण बनते हैं।"

अमरशक्ति राजा ने कहा कि हमारे राज्य में हजारों विद्वान्, कलाकार एवं नीतिविशारद महापंडित रहते हैं। कोई ऐसा उपाय करो कि ये निकम्मे राजपुत्र शिक्षित होकर विवेक और ज्ञान की ओर बढ़ें।

अत्यंत विचार-विमर्श के बाद एक मंत्री सुमति ने राजा को बताया कि महाराज, व्यक्ति का जीवन-काल तो बहुत ही अनिश्चित और छोटा होता है। हमारे राजपुत्र अब बड़े हो चुके हैं। विधिवत् व्याकरण एवं शब्दशास्त्र का अध्ययन आरंभ करेंगे तो बहुत दिन लग जाएँगे। इनके लिए तो यही उचित होगा कि इनको किसी संक्षिप्त शास्त्र के आधार पर शिक्षा दी जाए, जिसमें सार-सार ग्रहण करके निस्सार को छोड़ दिया गया हो; जैसे हंस दूध तो ग्रहण कर लेता है, पानी को छोड़ देता है।

ऐसे में यदि राजकुमारों को शिक्षा देने और व्यवहारिक रूप से प्रशिक्षित करने का उत्तरदायित्व पंडित विष्णु शर्मा को सौंपा जाए जो कि हमारे ही राज्य में रहते हैं। उचित होगा सभी शास्त्रों में पारंगत विष्णु शर्मा की छात्रों में बड़ी प्रतिष्ठा है। आप राजपुत्रों को शिक्षा के लिए उनके हाथों ही सौंप दीजिए। वे अल्प समय में ही राजकुमारों को शिक्षित करने की समर्थ रखते हैं।

राजा अमरशक्ति अपने मंत्री के इस सुझाव से अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्होंने तुरंत महापंडित विष्णु शर्मा का आदर-सत्कार करने के बाद विनय के साथ अनुरोध किया, "आर्य, आप मेरे पुत्रों पर इतनी कृपा कीजिए कि इन्हें अर्थशास्त्र का ज्ञान हो जाए। मैं आपको दक्षिणा में सौ गाँव प्रदान करूँगा।"

पंडित विष्णु शर्मा ने कहा की "राजन में अपनी विद्या का विक्रय नहीं करता हूँ, मैं सौ गाँव के बदले में अपनी विद्या बेचूंगा नहीं। लेकिन मैं आपको वचन देता हूँ कि मैं मात्र 6 माह में आपके पुत्रों को नीतियों में पारंगत कर दूंगा। यदि ऐसा न हुआ तो ईश्वर मुझे विद्या शुन्य कर दे।"

पंडित विष्णु शर्मा कि यह भीष्म प्रतिज्ञा सुनकर राजा अमरशक्ति स्तब्ध रह गये।

राजा अमरशक्ति ने मंत्रियों के साथ विष्णु शर्मा की पूजा-अभ्यर्थना की और तीनों राजपुत्रों को उनके हाथ सौंप दिया। पंडित विष्णु शर्मा तीनों राजकुमारों को अपने आश्रम ले आये। विष्णु शर्मा ने राजकुमारों को अलग-अलग प्रकार की नीतिशास्त्र से संबंधित कहानियां सुनाई।

पंचतंत्र कहानियों के पात्रों में मनुष्य, पशु-पक्षी आदि का वर्णन किया और अपने विचारों को उन पात्रों के मुख से व्यक्त किया। उनको पात्रों को आधार बनाकर पंडित विष्णु शर्मा ने राजकुमारों को उचित-अनुचित और व्यावहारिक ज्ञान में प्रशिक्षित किया। राजकुमारों की शिक्षा पूरी होने के बाद विष्णु शर्मा ने उन कहानियों को पंचतंत्र कि कहानियों के रूप में संकलित किया।

वर्तमान में उपलब्ध प्रमाणों के आधार यह कहा जा सकता हैं कि पंचतंत्र ग्रंथ की रचना पूरी होने के दौरान पंडित विष्णु शर्मा की उम्र लगभग 80 वर्ष की रही होगी। वे दक्षिण भारत के महिलारोप्य नामक नगर में रहते थे।

पंडित विष्णु शर्मा ने पंचतंत्र की कहानियों को बेहद रोचक तरीके से पेश किया हैं। यह कहानियां मनोविज्ञान, व्यावहारिकता तथा राजकार्य से सिधान्तों की सीख देती है। पंचतन्त्र की कहानियां बहुत जीवंत हैं। इनमे लोकव्यवहार को बहुत सरल तरीके से समझाया गया है। बहुत से लोग इस कहानियों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का एक सशक्त माध्यम मानते हैं।

इस कॉलम के माध्यम से हम हर संस्कारण में आपके लिए पंचतंत्र की एक कहानी प्रकाशित करेंगे ।

आज की कहानी का शीर्षक है : सियार और ढोल जो पंचतंत्र भाग – 1 'मित्रभेद' से ली गयी है ।

एक समय की बात है, जब दो राजाओं के बीच एक जंगल के पास बड़ा युद्ध हुआ । इस युद्ध में एक राजा हारा और एक राजा जीता । इस युद्ध के बाद दोनों सेनाएं अपने नगर को लौट आई । सेना का एक ढ़ोल जिसे सेना के साथ गए चारण और भांड रात में वीरता की कहानियां सुनाते थे, वह पीछे ही रह गया ।
युद्ध के कुछ दिनों बाद वह ढ़ोल हवा के झोके से लुढ़कता-लुढ़कता सूखे पेड़ के नीचे जाकर टिक गया । उस पेड़ की सुखी टहनियां ढ़ोल से जब तेज हवा आती तो बार-बार टकराती और ढ़ोल से ढमाढम की आवाज बार-बार सुनाई देती ।
उस जगह पर एक सियार हमेशा घूमता था । सियार ने उस ढ़ोल की आवाज सुनी और डर गया । उसने सोचा कि ऐसा कौन सा जानवर है जो ऐसी जोरदार आवाज निकालता है, इसे तो पहले कभी नहीं देखा । वह किसी पेड़ के पीछे छिपकर उस ढ़ोल को देखकर सोचता है कि इस जानवर के चार पांव है या फिर ये जानवर उड़ता है ।
जब एक बार सियार एक छोटी झाड़ी के पीछे बैठकर उस ढ़ोल को देख रहा था । तभी उस पेड़ से ढ़ोल पर एक गिलहरी कूदती है और धीमे से ढ़ोल की "ढम" आवाज निकलती है । वह गिलहरी उस ढ़ोल पर बैठकर दाना कुतर रही थी ।
सियार ने धीमे से अपने आप को कहा " ओह ! ये जानवर तो कोई भयानक नहीं है इस जानवर से मेरे को नहीं डरना चाहिए ।"
सियार धीरे-धीरे उस ढ़ोल के पास गया और उसे सूंघने लगा । उसे ढ़ोल के न ही पैर दिखाई दिए और ना ही कोई सिर । तभी अचानक हवा का एक झोंका आया और पेड़ की टहनियां उस ढ़ोल से टकराई । ढम की आवाज होते ही सियार कूदकर पीछे जा पड़ा ।
सियार " अब समझ आ गया" ऐसा बोलते हुए उठा और कहा "वो भयानक जीव तो इस खोल के अंदर है, यह तो सिर्फ बाहर का खोल है । ढम की आवाज से ही पता लग रहा है कि वह इसके भीतर ही रहता है । वह मोटा-तगड़ा और चर्बी से भरा हुआ होना चाहिए । तभी इतनी जोर से ढम ढम की आवाज निकाल रहा है ।"
इसके बाद सियार अपनी मांद में गया और सियारी से बोला " ओ सियारी ! आज एक मोटे-ताजे शिकार का पता करके आया हूँ । तू दावत खाने के लिए तैयार हो जा ।"
इतना सुनने के बाद सियारी ने पूछा कि "तुम उसका शिकार करके क्यों नहीं लाए ?"
सियार ने जवाब दिया कि "मैं तुम्हारी तरह मुर्ख नहीं हूँ । वह जानवर एक खोल के अंदर छुपकर बैठा है । वह खोल ऐसा है कि उसके दोनों तरफ सुखी चमड़ी के दरवाजे बने हुए हैं । यदि मैं एक तरफ से उसका शिकार करने की कोशिश करता तो वह दूसरी तरफ से भाग नहीं जाता ?"
सियार और सियारी चाँद निकलने के बाद उस ढ़ोल की ओर चल दिए । ढ़ोल से थोड़ी ही दूरी पर थे कि अचानक एक तेज हवा का झोका आया और पेड़ की टहनियां ढ़ोल से टकराते ही ढम-ढम की आवाज गूंज उठी । सियार ने हल्के से सियारी के कान में कहा "तुम्हे अभी उसकी आवाज सुनाई दी ? थोड़ा-सा सोच कि यदि इसकी आवाज इतनी दमदार है तो वह खुद कितना मोटा और ताजा होगा ।"
दोनों ढ़ोल के पास जाकर, उसे सीधा कर, ढ़ोल की एक तरफ सियार और दूसरी तरफ सियारी बैठ गये और फिर दोनों ने उस चमड़ी को अपने दांतों से फाड़ना शुरू किया । जैसे ही चमड़ी फटने लगी तो सियार बोला कि "सावधान रहना ! हमें एक साथ ही दोनों तरफ हाथ डालकर शिकार को पकड़ना है ।"
फिर दोनों ने एक साथ हाथ अंदर डाले और अंदर टटोलने लगे । ढ़ोल के भीतर कुछ नहीं था । दोनों को सिर्फ खुद के हाथ ही पकड़ में आए । दोनों ने एक साथ चिल्लाया और कहा "यहां तो कोई नहीं है ।" फिर दोनों अपना सिर पिटते ही रह गये ।

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन शोषण

औपचारिक या अनौपचारिक, सरकारी व गैर-सरकारी कार्यों में लगे पुरुष व महिलाओं द्वारा अपना आचरण व अनुशासन बनाए रखने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं जिनकी पालना करना प्रत्येक कर्मचारी व अधिकारी का कर्तव्य होता है, मगर इन नियमों की अवहेलना हर स्तर पर होती ही रहती है तथा कई बार तो इंसानियत की सारी हदें लांघ कर विभाग व संस्था को कलंकित व दागदार बना देती है।

कार्यस्थलों पर महिला कर्मचारियों के साथ यौन उत्पीडन की घटनाएं काफी लंबे समय से घटित होती रही हैं जिसका मुख्य कारण महिलाओं में जागरूकता का अभाव रहा है। महिलाओं के साथ क्रूरता व यौन हिंसा की घटनाएं तो उनके जन्म से किसी न किसी रूप में होनी शुरू हो जाती हैं। भ्रूण हत्या, छेडख़ानी, बलात्कार, बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा जैसी घटनाओं के साथ साथ, यौन उत्पीड़न जैसी घटनाएँ उनका पीछा उसके कार्यस्थल पर भी नहीं छोड़ती हैं।

महिला कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ उनके वरिष्ठ अधिकारी / सहकर्मी द्वारा किसी न किसी रूप में छेडख़ानी व उनकी अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वाली घटनाएं देखने व सुनने को मिलती रहती हैं। मुख्यतः वरिष्ठ अधिकारी अपनी वरिष्ठता का फायदा उठाकर अपने अधीनस्थ महिला कर्मचारियों का यौन उत्पीडन करता है। ऐसी घटनाओं के कई कारण हैं:

1. महिलाओं को कलंकित व बदनाम होने का डर बना रहता है तथा वे इसी मजबूरी व शर्मिंदगी के कारण शिकायत करने से हिचकिचाती रहती हैं।
2. उन्हें अपने अधिकारियों के प्रतिशोध का डर भी बना रहता है जिस कारण वे अपनी जुबान को बंद रखती हैं।
3. लंबी विभागीय न्याय प्रक्रिया के कारण भी उन्हें लगता है कि उन्हें समय पर न्याय नहीं मिलेगा।
4. महिलाओं में POSH एक्ट या न्याय प्रक्रिया को लेकर जानकारी का आभाव।
5. समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा महिला कर्मचारियों के साथ परस्पर बातचीत न होना।
6. गरीबी या किसी अन्य मजबूरी के कारण नौकरी खो देने का डर।

यदि पुरुष कर्मचारी किसी महिला को शारीरिक संपर्क के लिए दबाव डालता हो या यौन संबंध बनाने का अनुरोध करता हो या किसी भी महिला की शारीरिक बनावट, उसके वस्त्रों को लेकर अश्लील टिप्पणियां करता हो, कामुक साहित्य दिखाता हो या फिर मौखिक या अमौखिक तरीके से यौन प्रकृति का अश्लील व्यवहार करता हो, तब उस कर्मचारी/अधिकारी के विरुद्ध आंतरिक शिकायत कमेटी (आईसीसी), जिसका गठन प्रत्येक कार्यालय/संगठन को करना कानूनी तौर पर आवश्यक है, द्वारा जांच की जाएगी तथा संबंधित दुराचारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यहां यह लिखना भी आवश्यक है कि उपरोक्त गाइड लाइन्स को पारित उस समय किया गया था जब एक भांवरी नामक महिला जिसने कि बाल-विवाह रोकने वाली एक एन.जी.ओ. की सदस्य होने के नाते, राजस्थान में एक उच्च जाति के लोगों को बाल विवाह करने से रोका था तथा जिसकी वजह से उस जाति के लोगों द्वारा उनका 1992 में सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने रसूखदार अपराधियों की सहायता करते हुए, केस के सबूत मिटाने और रफा दफा करने की पूरी कोशिश की तथा वर्ष 1997 में एक पी.आई.एल. की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने उपरोक्त वृणत विशाखा (एन.जी.ओ. शिकायतकर्ता) के नाम से गाइड लाइन्स जारी की थी।

ऐसी भी महिलाएं हैं जो किसी फैक्टरी, निर्माण कार्य या घरेलू कामकाज में लगी होती हैं तथा उनकी बेबसी का फायदा उठा कर मालिक उन्हें अपनी काम वासना का शिकार बनाते हैं । कई बार गरीबी इतनी होती है कि उनके पास रोजी-रोटी कमाने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं होता और वे मजबूरी में उत्पीडन को सहन करती रहती हैं । इस समस्या के समाधान के लिए सत्या ने कई ज़रूरी कदम उठाए हैं:

1. कर्मचारियों में जागरूकता बनाए रखने के लिए हर ऑफिस नोटिस बोर्ड पर POSH एक्ट का होना अनिवार्य है।
2. कर्मचारियों का नजरिया बदलने के लिए समय-समय पर इस विषय में ट्रेनिंग दी जाती है ।
3. महिलाओं को इस विषय पर बात करने या अपनी बात कहने में कोई संकोच न हो, इसलिए प्रत्येक माह महिला कर्मचारियों के लिए 'बडी प्रोग्राम' चलाया जाता है जिसके तहत उच्चाधिकारियों द्वारा कंपनी में कार्यरत सभी महिला कर्मचारियों से फ़ोन पर बात कर उनका हालचाल लिया जाता है।
4. शिकायत दर्ज करने हेतु कंपनी ने महिला शिकायत निवारण तंत्र भी स्थापित किया है । इस टोल फ्री नंबर पर कभी भी महिला अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है।

महिला शिकायत निवारण तंत्र टोल फ्री नंबर : 1800 313 000008

5. शिकायत निवारण हेतु आंतरिक शिकायत कमेटी (ICC) गठित की गयी है।
6. POSH एक्ट से जुड़े सभी पहलुओं पर आईसीसी के सदस्यों की जागरूकता बढ़ाने हेतु उनको भी समय समय पर प्रशिक्षण वर्कशॉप में भेजा जाता है ।
7. दोषी व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा दी जाती है।

सत्या की POSH कमेटी:

Name	Capacity	Designation	Phone Number	Email ID
Ms. Neha Maheshwari	Chairperson	Head-Credit	+91 9999411260	neha.maheshwari@satyamicrocapital.com
Mr. Manoj Kumar	Member	National Head	+91 8305904889	manoj.k@satyamicrocapital.com
Ms. Jyoti Sharma	Member	Dy. Vice President-Training	+91 8448864820	jyoyi.sharma@satyamicrocapital.com
Ms. Sushma Gupta	Member	External Member	+91 8745831827	gsushma628@gmail.com

इस लेख का उद्देश्य कर्मचारियों में POSH एक्ट को लेकर केवल जागरूकता फैलाना है । कर्मचारियों को इस बात से अवगत कराना है कि भले ही हम कार्य करते हुये कितने अभी अच्छे मित्र हों, पर यह बात हमे हमेशा ध्यान में रखनी चाहिए कि आखिर में हम सहकर्मी हैं और अपने कार्यस्थल पर हैं । इस कार्यस्थल की अपनी एक पवित्रता है, अपनी मर्यादा है जिसका सम्मान हमें हमेशा करना चाहिए । साथ ही अपने सहकर्मी का भी सम्मान करना चाहिए, इस बात से परे कि वो हमसे जूनियर है या सीनियर है । तभी हम एक स्वस्थ और सकारात्मक कार्यस्थल का निर्माण कर पाएंगे ।

फ़नकार

नमस्कार दोस्तों !

सभी में कोई न कोई हुनर ज़रूर होता है, बस सही मंच न मिल पाने की वजह से कई बार उस हुनर को पहचान नहीं मिल पाती। ऐसे ही कई गुमनाम प्रतिभाएँ हमारे बीच भी मौजूद हैं जिन्हे इस कॉलम के माध्यम से हम एक पहचान देने की कोशिश कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं, हम में से कुछ कलाकारों को और रूबरू होते हैं उनकी कुछ रचनाएँ से।

****

एम अर्जुन
एम्प्लोयी कोड: 14401
सीनियर एक्सिक्यूटिव, क्रेडिट
हैड ऑफिस
इन्होने यह सुंदर स्केच बनाया है।

Kusum KC
Employee Code: 11729
AVP, SPM
Head Office

The title of her writeup is “Change”

Change is a slow process but I believe that change is the most impactful process of the universe.
Every day is a special day for an individual because we all are aware that we human beings are immortal. Therefore, we push ourselves in that way so that we can fulfil the purpose of life without any guilt.
The purpose of life can be small or big but the irony is that every individual has a purpose with a self-centric agenda and a desire for achievement. Unfortunately, women have been oppressed for ages across many cultures and countries where their desires are crushed upon by the families, the societies, and the systems.
All these women are asking the same question for ages. Why discriminate against someone based on gender, caste, creed, colour etc.
Nevertheless, the beauty of life blossoms as a flower when an individual come together to create a space where every individual is being treated as a human being, not as a man or a woman.
But, once in a million people there comes some champions of change who inspires the entire generations.

A woman who doesn't require any introduction
A woman whose name is enough to inspire the world
A woman who was a perfectionist in every term be it work or personal life
She was none other than "The Mother of Indian Micro Finance" - Late. Ms Viji Maam.
I am so privileged and fortunate to experience her life's journey through the SATYA family who has given a tribute to Viji Ma'am on International women's day by recognizing and empowering the real grassroots women entrepreneurs full of life.
They are the ones who have not only broken the gender barriers of our patriarchal societies but also changed the life of many women and men. They are the one who is making our society a better place for our future generations.
Last but not least "Even though our time in this life is temporary, but our legacy will last forever.”

अस्वीकरण: कृपया ध्यान दें कि इस कॉलम में छपी सभी रचनाएँ उस के निर्माता / लेखक की अपनी रचना है जिसकी जवाबदेही उनकी है। सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड ऊपर छपी सामग्री की सत्यता एवं उसके असल लेखक / निर्माता की ज़िम्मेदारी नहीं लेता है।

नोट: जगह की कमी के कारण जिन रचनाओं को इस संस्करण में जगह नहीं मिल पायी है, उनसे निवेदन है कि कृपया धैर्य बनाएँ रखें । हम आने वाले संस्करणों में उनकी रचनाओं को ज़रूर प्रकाशित करेंगे।

धन्यवाद

अकबर-बीरबल की कहानी : जोरू का गुलाम

एक बार की बात है, राजा अकबर व बीरबल दरबार में बैठे कुछ अहम मामलों पर चर्चा कर रहे थे। तभी बीरबल ने अकबर से कहा, "मुझे लगता है कि ज्यादातर पुरुष जोरू के गुलाम होते हैं और अपनी पत्नियों से डर कर रहते हैं।" बीरबल की यह बात राजा को बिल्कुल भी पसंद न आई। उन्होंने इस बात का विरोध किया।

इस पर बीरबल भी अपनी बात मनवाने पर अड़ गए। उन्होंने राजा से कहा कि वे अपनी बात को सिद्ध कर सकते हैं। मगर, इसके लिए राजा को प्रजा के बीच एक आदेश जारी करवाना होगा। वह आदेश यह था कि, जिस पुरुष के अपनी पत्नी से डरने की बात सामने आएगी, उसे दरबार में एक मुर्गी जमा करानी होगी। राजा बीरबल की इस बात पर तैयार हो गए।

अगले ही दिन प्रजा के बीच आदेश कराया गया कि अगर यह बात सिद्ध हो जाती है कि कोई पुरुष अपनी पत्नी से डरता है, तो उसे दरबार में आकर बीरबल के पास एक मुर्गी जमा करवानी होगी। फिर क्या था, देखते ही देखते बीरबल के पास ढेरों मुर्गियां इकठ्ठा हो गईं और सैंकड़ों मुर्गियां महल के बगीचे में घूमने लगीं।

अब बीरबल राजा के पास पहुंचे और बोले, "महाराज! महल में इतनी मुर्गियां इकठ्ठा हो गई हैं कि आप एक मुर्गीखाना खोल सकते हैं, इसलिए अब आप इस आदेश को वापिस ले सकते हैं।" मगर, महाराज ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और महल में मुर्गियों की संख्या धीरे-धीरे और भी ज्यादा बढ़ने लगी। यह सुनते ही राजा चौंक उठे और बोले, "बीरबल! तुम ये कैसी बातें कर रहे हो। महल में पहले से ही दो महारानियां मौजूद हैं। अगर उन्हें इस बात की भनक भी लगी, तो मेरी खैर नहीं होगी।"

यह सुनकर बीरबल ने तपाक से जवाब दिया, "चलिए महाराज, फिर तो आप भी मेरे पास दो मुर्गियां जमा करा ही दीजिए।"

राजा बीरबल का ऐसा जवाब सुनकर शरमा गए और उन्होंने अपना आदेश उसी वक्त वापस ले लिया।

किस्से से सीख :-

अकबर बीरबल की इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि बातों की चतुराई से हम किसी भी बात को मनवा सकते हैं। जरूरत है, तो बस बीरबल की तरह चतुराई से अपना पक्ष रखने की।

क्लाइंट स्टोरी

श्रीमति बरनाली दास के सफलता की कहानी

41 वर्षीय श्रीमती बरनाली दास, असम के शिवसागर के गौरीसागर बेसगांव की रहने वाली हैं । वह अपने पति, श्री बिपुल दास और दो बच्चों, पबित्रा हजारिका, उम्र 28 साल और शुभलक्ष्मी हजारिका, उम्र 24 साल के साथ रहती थीं । बड़ी बच्ची पबित्रा हजारिका ने स्नातक की पढ़ाई पूरी की, और छोटी बच्ची शुभलक्ष्मी हजारिका जिले के पास के एक कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं, जहां वह रहती हैं।

उनके पति, श्री बिपुल दास, अपनी कृषि भूमि में किसानी का काम करते थे । परिवार का खर्च चलाने और रुपये कमाने के लिए मौसमी सब्जियां उगाकर, बाजार में बिक्री किया करते थे जिससे उन्हे लगभग 11,000 प्रति माह की कमाई हो जाया करती थी । हर माता पिता की तरह, श्रीमती बरनाली दास और उनके पति श्री बिपुल दास ने अपनी बेटी की शादी एक अच्छे इंसान से करने का सपना देखा । श्री बिपुल दास हर महीने अपनी बेटी की शादी के लिए पैसे बचाते थे। वह उसे किसी व्यवसाय में भी लगाना चाहते थे ताकि वो अपने पैरों पे खड़ी हो सके । श्री बिपुल दास अपने बच्चों को काबिल बनाने हेतु उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे थे ।

बरनाली अपने परिवार के भविष्य के बारे में चिंतित रहती थीं क्योंकि चार सदस्यों के हिसाब से उनके परिवार की आमदनी कम थी और उनके कंधों पर अन्य कई जिम्मेदारियां थीं । वह अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार और स्थिरता लाने के लिए अपने पति का सहयोग करना चाहती थीं । उसके एक पड़ोसी ने उन्हे सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड के बारे में सूचित किया, और वह समूह की सदस्य बन गईं । सत्या से उन्होने अपने पति के सब्जी व्यवसाय के लिए ऋण लिया।

इस तरह ऋण लेकर बिपुल दास अपनी उगाई हुई सब्जियां थोक व्यापारी को बेचते लगे । एक दिन बिपुल थोक बाजार से लौटते समय सड़क पार कर ही रहे थे कि अचानक एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी और अगले ही पल उनकी जान चली गई ।

बरनाली के पति जब भी थोक बाजार जाते थे तो 4 बजे तक लौट आते थे, लेकिन उस दिन उन्हें देर हो गई थी और उनका फोन नंबर नहीं मिल रहा था। पति के घर नहीं लौटने पर श्रीमती बरनाली दास को चिंता होने लगी। अचानक, उनका पड़ोसी उनके घर आया और कहा, "उसके पति का ट्रक से एक्सीडेंट हो गया, और उसकी जान चली गई।"

जब आपका कोई इस दुनिया से चला जाता है तो आप खुद को संभाल नहीं पाते । आपको लगता है कि आपकी दुनिया एक पल में बदल गई है और आपने खुद को अंधेरे में खो दिया है । यही स्थिति बरनाली दास के साथ भी हुई जब उन्हें अपने जीवन साथी की मृत्यु की जानकारी हुई ।

बरनाली दास को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें क्योंकि परिवार की सारी जिम्मेदारी उन पर आ गई थी । उसके लिए जीवन चुनौतीपूर्ण हो गया था, और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह अपने घर का खर्च कैसे उठाए ।

केंद्र की बैठक के दौरान, सत्या के EDO ने उन्हें हॉस्पिकैश बीमा के बारे में सूचित किया कि वह समूह ऋण की सदस्य हैं और उन्हें उनके पति की अप्रत्याशित मृत्यु के लिए दुर्घटना बीमा के रूप में 1,00,000 रुपये मिलेंगे ।

ग्राहक को मुसीबत के समय पर, समर्थन और मदद करने की दृष्टि से, सत्या उन्हे नकद लाभ प्रदान करने हेतु समूह लोन के साथ होस्पिकैश पॉलिसी देता है । उधारकर्ता या सह-उधारकर्ता के अस्पताल में भर्ती होने के मामले में अधिकतम 30 दिनों के लिए प्रति दिन 1,000/- और साथ ही दो साल की अवधि के लिए उधारकर्ता या सह-उधारकर्ता की आकस्मिक मृत्यु के मामले में 1,00,000 रुपये का लाभ मिलता है ।

होस्पिकैश बीमा के बारे में जानने के बाद, श्रीमती बरनाली दास ने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे परिवार को ऐसे दुखद दिन देखने को मिलेंगे, लेकिन इस संकट की घड़ी में सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड ने हमारा साथ दिया।" दावा प्रक्रिया के बाद, उसे सत्या से मृत्यु के दावे के रूप में ₹1,00,000 दिए गए जिसका उपयोग बरनाली अपने बच्चों के भविष्य को सँवारने के लिए करेंगी । यही उनका और उनके पति का एकमात्र सपना था । बरनाली दिल से सत्या माइक्रोकैपिटल और उनकी होस्पीकॅश पॉलिसी का शुक्रिया अदा करती हैं ।

मन की बात

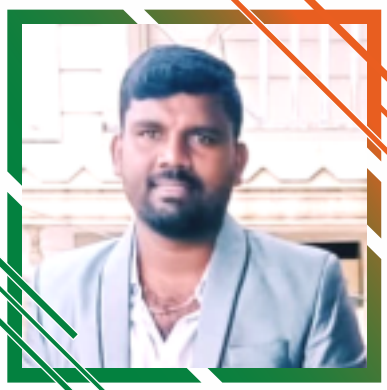

Thank you, SATYA, for being part of our little dreams.
Thank you, SATYA, for being part of our Arms.
Thank you, SATYA, for being part of our Aims.
Thank you SATYA for Being part of our Strength.
We are Rivers, you are the ocean.
We are the rivers never goes reverse.
We are the flower; you are the solar power.
This is SATYA forever, never change it forever.
We will bless for your success.
When you are giving service for the suppress.
Thank you SATYA for Being with us.

Yogesha S
Emp Code: 17434
Sr. EDO
Hirisave, Karnataka

I joined SATYA MicroCapital Limited in IT Department. Satya has seen my potential and has encouraged me to develop my skill. What I have learned while working at Satya is that we all can leaders. With this Company, I am working as a positive attitude, great power, new hopes and new dreams. Satya gives me a lot of encouragement and challenging environment where I can learn and grow.

Allabaksha Taranal
Emp Code: 17239
AM – IT
Karnataka

मैं श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी की छात्रा हूँ और सत्या में बतौर मैनेजमेंट ट्रेनी कार्य कर रही हूँ। अपने कार्यकाल के दौरान मैंने सत्या में बहुत कुछ सीखा। सीखने के साथ साथ मुझे यह बात बहुत प्रभावित करती है कि मैनेजमेंट ट्रेनी होते हुये भी, जो दायित्व मुझे सौंपे गए और जो भरोसा कंपनी ने मुझ पर जताया, वह सराहनीय है। साथ ही मेरे सीनियर्स द्वारा जो मार्गदर्शन समय समय पर मुझे मिलता रहता है, उससे मुझे निरंतर कठिन परिश्रम और अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलती रहती है। भविष्य में भी मै इसी कंपनी के साथ, मैनेजमेंट ट्रेनी नहीं अपितु बतौर सत्या की कर्मचारी कार्य करते रहना चाहूंगी।

निकिता
कोड: A0246
अप्रेंटिस
हैड ऑफिस

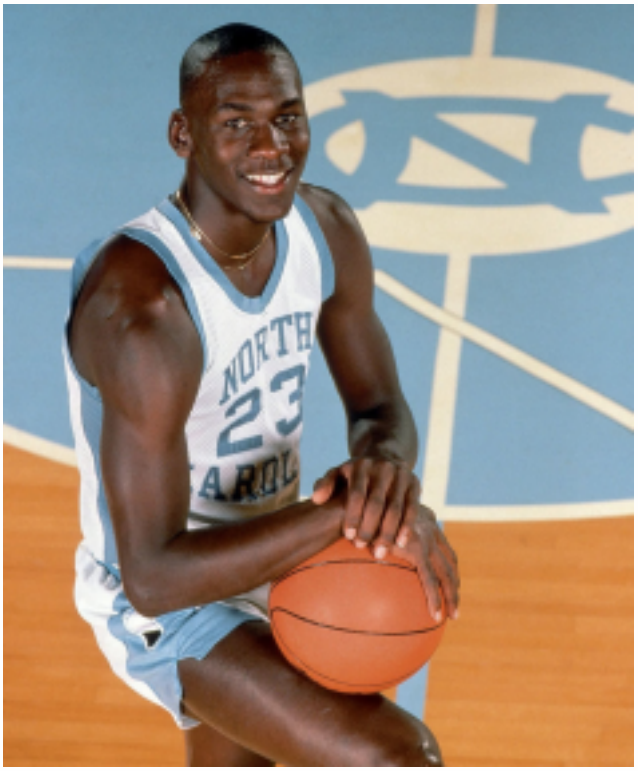

माइकल जॉर्डन
Michael Jordan

अमेरिका के महान बास्केटबाल खिलाड़ी और बिज़नसमैन माइकल जॉर्डन को तो आप जानते ही होंगे। उनके जीवन का सबसे बड़ा सिद्धान्त था कि – **'ज़िंदगी में कोशिश न करने का, कोई बहाना नहीं होना चाहिए।'**

वे अपने जीवन में सबसे ज़्यादा दुखी तब हुये थे, जब वे अपने कॉलेज के दूसरे साल में अपनी बास्केटबाल टीम नहीं बना पाये थे। इसका कारण यह था कि उनकी लंबाई बास्केटबाल के खेल के लिए उपयुक्त नहीं थी। वह काफी कोशिश के बाद भी बास्केटबाल के कोर्ट में गेंद नहीं डाल पाते थे। इस कमी से सीख लेकर उन्होने स्वयं से वादा किया कि चाहे कुछ भी हो जाये वे अपनी इस कमी को दूर करेंगे।

फिर क्या था, उन्होने अपने कॉलेज के जूनियर बास्केटबाल टीम के साथ बिना हारे रोज़ अभ्यास करना शुरू कर दिया और उसके अगले साल ही उन्होने अपनी बास्केटबाल टीम बनाई और दोबारा कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होने ओलंपिक खेलों में दो गोल्ड मेडल जीता तथा NBA (National Basketball Association) के 5 बार विजेता रहे।

यह उनका स्वयं पर भरोसा, दृढ़ संकल्प और कड़ा अभ्यास ही था जिससे उन्होने इतनी बड़ी बड़ी कामयाबी हासिल की।

ओपरा विन्फ्रेय
Oprah Winfrey

आज ओपरा विन्फ्रेय विश्व की सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत हैं। भले ही आज हम उन्हे दुनिया की सबसे अमीर महिलाओं में से एक मानते हैं लेकिन उनका अतीत बहुत ही डरावना और अंधकारमय था।

9 साल की उम्र में वो यौन उत्पीड़न की शिकार हुईं। 13 साल की उम्र में गलियों में घूम घूम कर भीख मांगकर अपना जीवन यापन किया। लेकिन फिर भी इन्होने अपने अतीत को भविष्य के सफर के आड़े नहीं आने दिया और सभी बाधाओं को दूर करती हुईं अमेरिका के नेशनल टेलिविजन पर सबसे पोपुलर शो होस्ट करने वाली पहली महिला तथा 32 साल की उम्र में अरबपति बनी। वह आज की पीढ़ी के लिए एक रोल मॉडल हैं।

उन्हे टाइम मैगज़ीन द्वारा 20वीं सदी की 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में शामिल किया गया है।

सीख यह है कि यह बात कोई मायने नहीं रखती कि आपका जन्म कहाँ हुआ है, यह आपके ऊपर निर्भर करता है कि आपने अपनी लाइफ़ को क्या बनाने का निश्चय किया है। बैठकर स्वयं पर या हालातों पर पछताने का मतलब है कि आप लाइफ़ में कुछ हासिल नहीं करेंगे।

स्ट्रेटेजिक मीट - 2022

सत्या माइक्रोकैपिटल की पाँचवी Strategic Meeting, अप्रैल 24 – 27, 2022 को हरियाणा के मानेसर स्थित एक रिसोर्ट में सम्पन्न हुयी। प्रति वर्ष इस strategic meet का उद्देश्य होता है कंपनी की नीतियों, प्रोसेसेस और कार्यप्रणाली पर चर्चा करना । अगर किसी पॉलिसी या प्रोसेस में बदलाव की आवश्यकता है तो उस पर कंपनी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों से विचार विमर्श कर उसमे संशोधन किया जाता है । अगर किसी नयी नीति या प्रोसेस की आवश्यकता है तो उस पर भी चर्चा कर उसे लागू किया जाता है। इसके साथ साथ कर्मचारियों के मनोरंजन हेतु भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे इस वर्ष DJ नाइट, कल्चरल नाइट, क्रिकेट मैच इत्यादि का आयोजन किया गया था । इस वर्ष कर्मचारियों की सेहत का ध्यान रखते हुये हैल्थ कैंप भी लगवाया गया जिसमे सभी का फुल बॉडी चेकअप करवाया गया।

Strategic Meet की कुछ झलकियाँ:

कबीर : भारतीय संस्कृति का वह हीरा, जिनकी चमक आज भी शाश्वत है

कबीर भारतीय मनीषा के प्रथम विद्रोही संत हैं, उनका विद्रोह अंधविश्वास और अंधश्रद्धा के विरोध में सदैव मुखर रहा है। महात्मा कबीर के प्राकट्यकाल में समाज ऐसे चौराहे पर खड़ा था, जहां चारों ओर धार्मिक पाखंड, जात-पात, छुआछूत, अंधश्रद्धा से भरे कर्मकांड, मौलवी, मुल्ला तथा पंडित-पुरोहितों का ढोंग और सांप्रदायिक उन्माद चरम पर था। आम जनता धर्म के नाम पर दिग्भ्रमित थी। यही कारण रहा कि कबीर के दोहावलियों में धार्मिक रूढ़िवादिता पर प्रहार होता हुआ दिखता है, धार्मिक रूढ़िवादिता से समाज को दूर रखने का प्रयास दिखता है।

मध्यकाल जो कबीर साहेब की चेतना का प्राकट्यकाल है, पूरी तरह सभी प्रकार की धार्मिक संकीर्णताओं से आक्रांत था। धर्म के स्वच्छ और निर्मल आकाश में ढोंग-पाखंड, हिंसा तथा अधर्म व अन्याय के बादल छाए हुए थे। उसी काल में अंधविश्वास तथा अंधश्रद्धा के कुहासों को चीर कर कबीर रूपी दहकते सूर्य का प्राकट्य भारतीय क्षितिज में हुआ।

वैसे संत कबीर के कोई ठोस एवं प्रमाणिक जीवन वृत्तांत का पता नहीं चलता परंतु, विभिन्न साक्ष्यों के आधार पर कबीर साहेब का जन्म विक्रम संवत 1455 तथा मृत्यु विक्रम संवत 1575 माना जाता है। जिस तरह माता सीता के जन्म का पता नहीं चलता, उसी तरह कबीर के जन्म का भी रहस्य आज भी भारतीय लोकमानस में जीवंत है, विवादित है।कबीर बीच बाजार और चौराहे के संत थे । वे आम जनता से अपनी बात पूरे आवेग और प्रखरता के साथ, बिना लाग-लपेट के किया करते थे।

आज समाज के जिस युग में हम जी रहे हैं, वहां जातिवाद की कुत्सित राजनीति, धार्मिक पाखंड का बोलबाला, सांप्रदायिकता की आग में झुलसता जनमानस और आतंकवाद का नग्न तांडव, तंत्र-मंत्र का मिथ्या भ्रम-जाल से समाज और राष्ट्र आज भी उबर नहीं पाया है। ऐसा इसलिए है कि कबीर जैसे महापुरुष के वाणियों को हमारे समाज ने अपने जीवन और व्यवहार में उतारा ही नहीं, वरना कबीर की दोहवालियों में इन सभी नाकारात्मक तत्वों का समाधान तो निहित दिखता ही है, बस जरूरत है उनकी दोहावालियों के मार्फत दिए गए सन्देश और शिक्षण को सहर्ष स्वीकारने की।

छह सौ वर्षों के सुदीर्घ प्राकट्यकाल के बाद भी कबीर हमारे व्यैक्तिक एवं सामाजिक जीवन के लिए बेहद प्रासंगिक एवं समीचीन लगते हैं। वे हमारे लोकजीवन के इर्द-गिर्द घूमते नजर आते हैं। कबीर साहेब की बीजक वाणी में हिन्दू और मुस्लिम के साथ-साथ ब्रह्मांड के सभी लोगों को एक ही धरती पर प्रेमपूर्वक आदमी की तरह रहने की हिदायत को महसूस किया जा सकता है।

वे कहते हैं-"वो ही मोहम्मद, वो ही महादेव, ब्रह्मा आदम कहिए, को हिन्दू, को तुरूक कहाए, एक जिमि पर रहिए।" कबीर मानवीय समाज के इतने बेबाक, साफ-सुथरे निश्छल मन के भक्त कवि हैं जो समाज को स्वर्ग और नर्क के मिथ्या भ्रम से बाहर निकालते हैं।

वे काजी, मुल्ला और पंडितों को साफ लफ्जों में दुत्कारते हैं-"काजी तुम कौन कितेब बखानी, झंखत बकत रहहु निशि बासर, मति एकऊ नहीं जानी/दिल में खोजी देखि खोजा दे/ बिहिस्त कहां से आया ?" कबीर ने घट-घट वासी चेतन तत्व को राम के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने राम को जीवन आश्रय माना है, इसीलिए कबीर साहेब के बीजक में चेतन राम की एक सौ सत्तर बार अभिव्यंजना हुई है।

कबीर साहेब आज भी धार्मिक एवं सामाजिक रूढ़िवादिता के लिए दहकते अंगारे हैं। कानन-कुसुम भी हैं कबीर साहेब, जिनकी भीनी-भीनी गंध और सुवास, नैसर्गिक रूप से मानवीय अरण्य को सुवासित कर रही है। कबीर साहेब, हिमालय से उतरी हुई गंगा की पावनता भी हैं। कबीर साहेब भारतीय मनीषा के भूगर्भ के वो फौलाद हैं जिसके चोट से ढोंग, पाखंड और धर्मांधता चूर-चूर हो जाती है। कबीर साहेब भारतीय संस्कृति का वह अनमोल हीरा हैं जिसकी चमक नित नूतन और शाश्वत है। सामाजिक एवं धार्मिक रुढिवादिता के मामले में, कबीर कल भी प्रासंगिक थे, आज भी हैं और हमेशा रहेंगे। सच कहें तो धार्मिक वैमनस्यता का इलाज हैं कबीर साहेब की दोहावालियाँ, आपसी सौहार्द्य के लिए शाब्दिक-टॉनिक हैं कबीर साहेब की दोहावलियाँ, इसे जिसने समझ लिया, अपने जीवन में व्यवहारिक रूप से उतार लिया, वो धन्य हो गया। अपने व्यक्तित्व को अनोखे तौर पर परिवर्तित करने, साकारात्मक बनाने में सफल हो गया।

सत्या के सितारे

अपने प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न वर्गों में जिन कर्मचारियों / शाखाओं ने बेहतरीन कार्य किया है, उनके नाम इस प्रकार हैं:

डिसबर्समेंट के आधार पर शीर्ष 5 कर्मचारी:

जनवरी 2022

S.No.	Branch Name	Emp ID	Name	No. of loan Disbursed
1	Saraiya	15812	Ravi Kumar	87
2	Tusura	16050	Gandhi Luha	79
3	Motihari	14489	Santosh Kumar Yadav	76
4	Darbhanga	15983	Prince Kumar	68
5	Rasra	16593	Sudhir Kumar Chaudhari	60

फरवरी 2022

S.No.	Branch Name	Emp ID	Name	No. of loan Disbursed
1	Bettiah	14830	Ajit Kumar	178
2	Runi Saidpur	15101	Vikash Kumar	174
3	Khallikote	17243	Rakesh Subudhi	173
4	Khallikote	17223	Ullas Kumar Panda	169
5	Noorpur	15654	Sundar Singh	159

फरवरी & मार्च 2022

S.No.	Branch Name	Emp ID	Name	No. of loan Disbursed
1	Samrala	14317	Sukhdev Singh	440
2	Panipat	14091	Sachin	406
3	Jammu	15870	Bruclee	399
4	Panipat	13173	Ankit Kumar	395
5	Runi Saidpur	15101	Vikash Kumar	385

डिसबर्समेंट के आधार पर शीर्ष 5 शाखाएँ:

जनवरी 2022

S.No.	Branch Name	No. of loan Disbursed
1	Hajipur	254
2	Mairwa	238
3	Saraiya	231
4	Sambhal	230
5	Dharmanagar	229

फरवरी 2022

S.No.	Branch Name	No. of loan Disbursed
1	Palwal	990
2	Karnal	931
3	Hajipur	887
4	Runi Saidpur	848
5	Bettiah	821

फरवरी & मार्च 2022

S.No.	Branch Name	No. of loan Disbursed
1	Samrala	2542
2	Karnal	2257
3	Gopalganj	2227
4	Runi Saidpur	2225
5	Jammu	2117

आप सभी को बहुत बहुत बधाई। आने वाले समय में अपने सभी कर्मचारियों से कंपनी इसी तरह के प्रदर्शन की आशा करती है।

मानसून टिप्स

कोरोना वायरस महामारी के बीच अपनी सुरक्षा बनाए रखने के लिए लोग कई जतन कर रहे हैं। वहीं, मानसून के आगमन पर खुद को सेहतमंद रखने की चुनौती और भी बढ़ जाती है। बारिश के दिनों में बीमारियों का सबसे ज्यादा खतरा रहता है इसलिए आपको कुछ ऐसे टिप्स अपनाने चाहिए जिससे कि आप बीमारियों से बचते हुए सेफ रह सकें। आइए जानते हैं कैसे रखें मानसून में अपनी सेहत एवं त्वचा का ख्याल....

स्वास्थ्य संबंधी हिदायतें :

डाइट का खास ख्याल रखें - इस समय ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, खट्टी-मसालेदार, तली हुई चीजें न खाएं। इस मौसम में हेल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है। हरी पत्तेदार सब्जियां, घर का बना खाना, सूप, फाइबर युक्त आहार और फ्रूट खाने से आप हेल्दी रहेंगे।

पानी पीते रहें - सर्दी हो या गर्मी शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। गुनगुने पानी का सेवन पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। खाना खाने के एक घंटा पहले और खाना खाने के आधे घंटे बाद ही पानी पीएं। ठंडा पानी पीने से गला खराब हो सकता है।

हरी साग-सब्जियां जरूर खाएं - सब्जियों के साथ-साथ अपने आहार में कुछ जरूरी हर्ब भी शामिल करें। इससे शरीर को ऊर्जा मिलेगी और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होगी। आंवला, ब्राह्मी, तुलसी, एलोवीरा, अदरक, इलायची, अजवाइन, सौंफ आदि भी सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

बच्चों का रखें खास ख्याल - छोटे बच्चे मौसम में बदलाव आने के कारण बीमारी के चपेट में बहुत जल्दी आ जाते हैं। इनका खास ख्याल रखने की बहुत जरूरत होती है। कई बार तो इससे बच्चों को डायरिया होने की आशंका रहती है। ऐसे में उन्हें अच्छी डाइट दें। बाजार की बनी चीजें न खिलाएं। समय-समय पर उन्हें लिक्विड दें, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

तापमान में तुरंत बदलाव का ध्यान रखें - दिन में मौसम जिस तरह से कभी धूप, कभी बादल बारिश वाला हो रहा है उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इस तरह टेम्परेचर फ्लक्चुएशन से तबियत बिगड़ सकती है। बाहर से आकर एकदम पानी न पिएं या कपड़े न बदलें। चिलचिलाती धूप से एकदम से AC में प्रवेश न करें।

साफ-सफाई का ध्यान रखें - अपने आस-पास सफाई रखें, धूल-मिट्टी और गंदगी के कारण एलर्जी होने का डर रहता है। जिसके कारण आप जल्दी बीमार पड़ सकते हैं।

ब्यूटी टिप्स :

1)चेहरे को रोज़ अच्छे से सौम्य फ़ेसवॉश द्वारा डीप क्लींज करें।
2)सप्ताह में एक बार एक्सफॉलिएट करने के लिए स्क्रब का इस्तेमाल करें।
3)जो फ़ेसपैक आपकी स्किन को सूट करता है, उसका इस्तेमाल स्क्रब करने के बाद अवश्य करें।
4)रोजाना चेहरे, हाथों और पैरों की देखभाल के लिए मोश्चुराइजर का उपयोग करें।
5)बालों को सॉफ्ट और मजबूत बनाए रखने हेतु हफ्ते में एक बार हॉट ऑयल मसाज ज़रूर करें।

सेफ़्टी टिप्स :

बारिश के मौसम में अक्सर झमाझम बारिश के बाद सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। कई बार पानी इतना ज्यादा होता है कि सड़कों पर बाढ़ जैसा नजारा दिखने लगता है। ऐसे में कुछ टिप्स फॉलो कर सड़कों पर भरे पानी से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है...

- पानी भरी सड़क पर गाड़ी की स्पीड बिल्कुल कम कर दें और हल्का एक्सीलरेटर देते हुए गाड़ी को बढ़ाएं।
- पानी भरा होने पर सड़क पर खुला हुआ मैनहोल या गड्ढे नहीं दिखते। ऐसे मे गाड़ी की स्पीड अत्यंत ही कम रखें। हो सके तो गाड़ी को घसीट कर सुरक्षित स्थान तक ले जाएँ जहां सड़क साफ दिख रही हो।
- हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें।
- कम रोशनी होने पर हैडलाइट का प्रयोग अवश्य करें।
- गाड़ी की समय समय पर सर्विसिंग करवाते रहें एवं सभी ज़रूरी कागज़ तैयार रखें।
- कितनी भी जल्दी क्यूँ न हो, गाड़ी तेज़ ना चलाएं।

याद रखिए, आपके लौटने का कोई इंतज़ार कर रहा है। आपकी छोटी सी लापरवाही की सज़ा आपके परिवार को भुगतनी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षित रहें।

चने के सत्तू का नमकीन पेय

गर्मी के दिनों में चने के सत्तू का पेय, स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होता है. इसमें कई तरह के आवश्यक विटामिन तो होते ही हैं यह पेट के विभिन्न रोगों के लिए रामबाण औषधि भी माना गया है. गर्मी के दिनों में पेट एवं पाचन से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाता है, पेट को ठंडा रखता है और लू लगने से भी बचाता है.

चने के सत्तू का पेय, स्वादानुसार मीठा और नमकीन दोनों तरीके से बनाया जा सकता है. सत्तू का मीठा पेय तुरंत एनर्जी देता है. मीठा पेय बनाने हेतु चीनी या गुड़ का इस्तमाल किया जाता है. चूँकि जो लोग मधुमेह के रोगी होते हैं, उनके लिए मीठा पेय हानिकारक हो सकता है, इसलिए हम यहाँ नमकीन पेय बनाने की विधि बताएंगे.

सामग्री :

- एक गिलास ठंडा पानी
- 3 बड़े चम्मच चने का सत्तू
- नमक स्वादानुसार
- चुटकी भर भुना जीरा पाउडर
- आधा नींबू का रस
- आधा प्याज बारीक़ कटा हुआ (मध्यम आकार का)
- दो-चार पुदीना के ताजे पत्ते बारीक कटे हुए

विधि : एक गिलास में एक कप ठंडा पानी डालें और उसमें थोड़े-थोड़े सत्तू को चम्मच से मिक्स करते रहें ताकि गुठली न पड़े. इसी तरह से पूरे तीन चम्मच सत्तू को मिक्स कर लें. सत्तू का गुठली रहित गाढ़ा घोल तैयार हो जायेगा. अब इस घोल में नमक, भुना जीरा, नींबू, बारीक़ कटे हुए प्याज और बारीक़ कटे हुए पुदीना के पत्ते को डालें. अब गिलास को ठन्डे पानी से भर दें. चम्मच से मिक्स करें. चने के सत्तू का नमकीन पेय तैयार है. इसे पुदीना के पत्तों से सजा कर सर्व करें.

दही की नमकीन लस्सी

गर्मी के दिनों में लस्सी का उपयोग हरेक घर में बढ़ जाता है. लोग अमूमन घर के बाहर लस्सी पिने का शौक पूरा करते हैं, लेकिन ये लस्सी स्वास्थ्यवर्धक होने के बदले, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं. इन्हें बनाते समय शुद्धता और स्वच्छता का ध्यान नहीं रखने के कारण, स्वास्थ्य को नुकसान पहुँच सकता है.

स्वाद के अनुसार लस्सी को मीठा और नमकीन बनाया जाता है. मीठी लस्सी बनाने के लिए लस्सी में चीनी या गुड़ के बुरादे का इस्ताल किया जाता है. लेकिन ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं, मधुमेह को बढ़ा सकते हैं. इसलिए हम यहाँ नमकीन लस्सी बनाने की विधि बता रहे हैं.

सामग्री :

- 250 ग्राम ताजा दही
- स्वादानुसार नमक
- स्वादानुसार काला नमक
- चुटकी भर भुना जीरा
- दो-चार ताजा पुदीना के पत्ते बारीक कटे हुए
- दो-चार आइस-क्यूब्स
-

विधि : मिक्सी में दही, आइस-क्यूब्स, नमक, काला नमक, भुना जीरा, पुदीना के बारीक पत्ते डालकर अच्छी तरह फेंट लें ताकि दही मिक्स हो जाये और उसमें झाग भी उठ जाए. लस्सी तैयार है. मिक्स दही को गिलास में उड़ेलें और ऊपर से आइस-क्यूब्स और पुदीना के बारीक़ कटे पत्तों से सजा कर सर्व करें.

बस नज़रिया बदलें
(Outlook makes all the Difference)

बहुत साल पहले की बात है। ब्रिटेन की एक जूता बनाने वाली कंपनी द्वारा दो सेल्समैन को अफ़्रीका भेजा गया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य अफ़्रीका में जूते के बाज़ार की संभावना को पता लगाकर, हैड्क्वार्टर को एक रिपोर्ट भेजना था।

दोनों सेल्समैन ने अपनी अपनी रिपोर्ट भेजी:

पहले सेल्समैन की रिपोर्ट थोड़ी निराशाजनक थी। उसका कहना था कि 'यहाँ जूते के मार्केट की कोई संभावना नहीं है **क्यूंकी यहाँ कोई जूता नहीं पहनता।**'

दूसरे सेल्समैन का जवाब थोड़ा अलग था। उसका कहना था कि 'यहाँ जूते के मार्केट की संभावना बहुत ही अच्छी है **क्यूंकी यहाँ कोई जूता नहीं पहनता।**'

अगर आप यह कहानी किसी को सुनाते हैं तो **'कोई जूता नहीं पहनता'** पर ज़्यादा बल दें क्यूंकी इससे यह स्पष्ट होता है कि कैसे एक ही परिस्थिति को देखने का दो लोगों का दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकता है। यह चुनाव हमारा है कि हम उस परिस्थिति को नकारात्मक या सकारात्मक, किस दृष्टिकोण से देखते हैं।

नज़र का ऑपरेशन तो संभव है, पर नज़रिये का नहीं ।
फर्क सिर्फ सोच का होता है वरना,
जो सीढ़ियाँ ऊपर जाती हैं, वही नीचे भी आती हैं।

दुनिया गज़ब की

नामीबिया का वेस्ट कोस्ट

दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां समुद्र और रेगिस्तान एक साथ मिलते हैं। यह जगह है नामीबिया का वेस्ट कोस्ट। बता दें कि यह दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान है, जो करीब साढ़े 5 करोड़ साल से भी ज़्यादा पुराना है । खास बात ये भी है कि यहाँ दिखने वाले रेत के टीले विश्व में सबसे बड़े है।

महाराष्ट्र का राजकीय पक्षी हरियल

आपको जानकार हैरानी होगी कि भारत के महाराष्ट्र राज्य का राजकीय पक्षी हरियल एक ऐसा पक्षी है, जो अपना पैर कभी धरती पर नहीं रखता। इन पक्षियों को ऊंचे ऊंचे पेड़ वाले जंगल पसंद हैं। यह अक्सर अपना घोंसला पीपल या बरगद के पेड़ पर बनाते हैं। अधिकतर हरियल पक्षी झुंड में ही पाये जाते हैं।

मेघालय की उमंगोट नदी

मेघालय के मावलयन्नंग गाँव में बहने वाली 'उमंगोट नदी' जिसे भारत की सबसे साफ नदी कहा जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस नदी में गंदगी करने पर 5000 रुपये तक का जुर्माना लगता है। तो अगली बार अगर आप मेघालय घूमने का विचार बना रहे हैं तो कृपया इस बात को ध्यान में रखें।

ड्रैगन ब्रेथ चिल्ली पेप्पर

ड्रैगन ब्रेथ चिल्ली पेप्पर दुनिया की सबसे तेज़ और तीखी मिर्च है। यह इतनी तीखी होती है कि किसी को मार भी सकती है।

कोलम्बिया का सांता क्रूज़ द्वीप

कोलम्बिया के तट पर सैन बर्नर्डो के द्वीपसमूह में सांता क्रूज़ द्वीप दुनिया की सबसे घनी आबादी वाला द्वीप है लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस द्वीप का आकार सिर्फ दो फूटबाल मैदानों के बराबर है।

दुनिया का सबसे लंबा नाम वाला स्थान

दुनिया में किसी स्थान का नाम सबसे लंबा 8 1 अक्षर का Taumatawhakatangihangakoauauotamateaturipukakapikikungungororukupokaiaienuakitanatahu है जो न्यूजीलैंड में है।

भारत के बारे में कुछ रोचक तथ्य

भारत के बारे में रोजाना आप कुछ न कुछ नया जरूर पढ़ते होंगें। क्या आपको पता है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र देश है और सातवां सबसे बड़ा देश है। ऐसे ही कुछ रोचक तथ्यों के बारे में हम आपको बताएंगे।

1. भारत के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के सम्मान में 26 मई को स्विट्जरलैंड में विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसी दिन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने स्विट्जरलैंड का दौरा भी किया था।
2. इंडिया नाम की उत्पत्ति इंड्यूस नामक नदी से हुई है, जो कि इंड्यूस वैली की घाटियों में बहती थी।
3. भारत की सेना अमेरिका और चीन के बाद तीसरे नंबर में आती है। भारत के पास विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सेना है।
4. भारत दुनिया में सबसे बड़े आकर वाले देशों की लिस्ट में सातवें नंबर में आता है।
5. भारत के कुंभ मेले का जमावड़ा इतना बड़ा होता है कि इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता है।
6. हिंदी के बाद सबसे ज्यादा यहां अंग्रेजी बोली जाती है। भारत दुनिया का 24 वां ऐसा देश है जहां अंगेजी सबसे ज्यादा बोली जाती है।
7. भारत का पहला रॉकेट साईकल पर और उपग्रह को बैलगाड़ी पर लाया गया था।
8. भारत के केरल में दुनिया की सबसे बड़ी डाक व्यवस्था है।
9. भारत की पवित्र नगरी वाराणसी दुनिया की सबसे पुरानी नगरी है।
10. शतरंज खेल की खोज भारत में ही हुई थी।
11. दुनिया का सातवां अजूबा भी भारत में है जिसे ताजमहल कहा जाता है। आगरा के ताजमहल को मुग़ल शासक ने अपनी बेगम मुमताज की याद में बनवाया था।
12. भारत ने दुनिया तक योग पहुंचाया है, योग 5000 वर्ष से भी ज्यादा पुराना है।
13. दुनिया का सबसे बड़ा रोड नेटवर्क भारत के पास है जो तकरीबन 1.9 मिलियन मील को एक-साथ आपस में जोड़ते हैं।
14. भारत का मेघालय राज्य दुनिया का सबसे ज्यादा बारिश वाला राज्य है।
15. भारत का स्थान सुपर कंप्यूटर बनाने में तीसरे नंबर पर है।
16. सन 1986 तक भारत अकेला ऐसा देश माना जाता था जहां आधिकारिक रूप से हीरा पाया जाता था।
17. KFC जैसे बड़े ब्रांड ने भारतियों के लिए अलग शाकाहारी मेनू शुरू किया था।
18. भारत में ही दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम है। ये क्रिकेट स्टेडियम हिमाचल प्रदेश में है जो कि समुद्र तट से 24 हजार मीटर ऊपर बना है।
19. भारत दुनिया में फिल्मों का सबसे बड़ा उत्पादक है।
20. जीरो (०) का अविष्कार भी भारत में हुआ था।

सत्या संदेश

SATYA संदेश यूट्यूब चैनल, माननीय MD sir की एक बड़ी सोच है, एक विस्तृत योजना है, जिसके माध्यम से कम्पनी एवं कम्पनी के बाहर के लोगों को विभिन्न विषयों के बारे में जागरूक किया जाता रहे।

अभी तक इस योजना के तहत स्वास्थ्य संबंधित जानकारियां एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्रस्तुत की जाती रही हैं। आने वाले समय में, इस चैनल के माध्यम से सुरक्षा एवं स्वरोजगार संबंधित जानकारियां भी प्रस्तुत की जाएंगी। अपने क्लाइंट्स की सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की जाएंगी।

चूंकि सोच बड़ी है और उद्देश्य जनहित से जुड़ा है, तो ज्यादा से ज्यादा लोगों के द्वारा इस चैनल के माध्यम से प्रस्तुत किये जाने वाले जानकारियों को स्वयं भी देखना चाहिए और अन्य लोगों को भी देखने हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि इस चैनल का उद्देश्य पूरा हो सके।

इस चैनल को Subscribe करें, वीडियो को ज्यादा से ज्यादा लोगों को Share करें, अगर वीडियो पसंद आये तो Like कर के उत्साहवर्धन करें।

https://www.youtube.com/channel/UCzXuJ7okWLWOSK70vKdpkdw

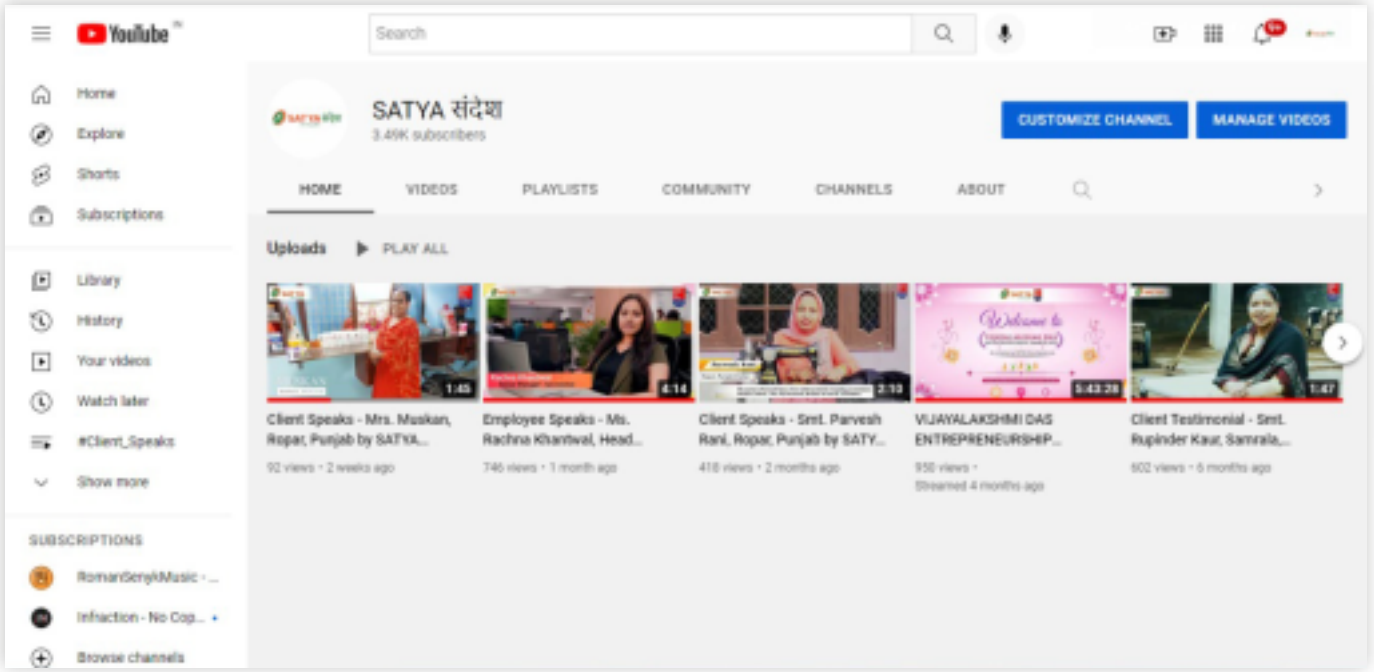

ग्रेट प्लेस टू वर्क

Great Place To Work. Certified JUL 2021-JUL 2022 INDIA

This is to certify that SATYA MICROCAPITAL LTD. has successfully completed the assessment conducted by Great Place to Work® Institute, India, and is certified as a great workplace.

This certificate is valid from July 2021 to July 2022.

Prasenjit Bhattacharya
Chief Executive Officer
Great Place to Work® Institute, India

Note: The certificate is valid subject to the terms and conditions agreed to by the Organization.

EGRM

प्रिय साथियों,

सत्या शुरुवात से ही अपने कर्मचारियों के लिए कुछ नया और बेहतर सोचती और करती चली आ रही है। कंपनी का यह मानना है कि किसी भी संस्था की शक्ति, उसकी ताक़त उसका कर्मचारी होता है जो उसे मज़बूत बनाता है। शायद इसलिए सत्या में हमेशा से ही मानव संसाधन विभाग को मानव पूँजी कहा जाता है क्यूंकि हम अपने स्टाफ़ को संसाधन नहीं, पूँजी समझते हैं।

कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने पिछले साल कर्मचारी शिकायत निवारण तंत्र (EGRM) स्थापित किया था जिसके तहत कंपनी का कोई भी कर्मचारी बिना झिझक अपनी बात / शिकायत / सुझाव एक टोल फ्री नंबर या ईमेल के माध्यम से कंपनी के समक्ष रख सकता है।

अपनी बात कहने के लिए, आप बिना किसी झिझक या डर के इस नंबर या ईमेल का उपयोग कर सकते हैं। आपकी समस्या का कंपनी के नियमानुसार उचित समाधान किया जायेगा।

Employee Grievance Redressal Center

SATYA MicroCapital Limited welcomes your suggestions / information and complaints as you are an important member of the SATYA family, we would like to provide you a better function.

Grievance Redressal Officer will listen your complaint and redress it within seven days

Toll-Free-Number 1800-123-000008

E-mail: egrm@satyamicrocapital.com

Workplace

वर्कप्लेस फेसबुक द्वारा विकसित एक एंटरप्राइज कनेक्टिविटी प्लेटफॉर्म है जो ग्रुप, इंस्टेंट मैसेजिंग और न्यूज फीड जैसे टूल्स की मदद से एक संस्था के सभी कर्मचारियों को एक साथ जोड़े रखता है।

सत्या ने यह प्लैटफ़ार्म अपने कर्मचारियों को एक साथ जोड़े रखने के लिए ही लिया है। इसलिए आप सभी कर्मचारियों से विनती है कि वर्कप्लेस पर अकाउंट बनाकर, जानकारियाँ एक दूसरे के साथ साझा करने हेतु इसका अधिक से अधिक इस्तेमाल करें।

लॉगिन करने की प्रक्रिया:

जैसे ही कोई कर्मचारी कंपनी के साथ जुड़ता है, कंपनी द्वारा उसका एम्प्लोयी कोड़ गेनेरेट किया जाता है एवं उसे कंपनी एक CUG नंबर भी प्रदान करती है। नए कर्मचारी को अपना वर्कप्लेस अकाउंट एक्टिवेट करवाने हेतु, अपना CUG नंबर अपने एम्प्लोयी कोड के साथ स्टेट आईटी को भेजना होता है। स्टेट आईटी द्वारा हैड ऑफिस आईटी विभाग को यह अनुरोध भेजा जाता है जहां से एक एक्सैस कोड़ जेनेरेट किया जाता है और वापस से स्टेट आईटी को भेजा जाता है जिसकी मदद से कर्मचारी पहली बार वर्कप्लेस पर लॉगिन कर अपना पासवर्ड सेट कर सकता है और मेम्बर बन सकता है। इसके पश्चांत वह किसी भी लैपटाप या मोबाइल एप के जरिये पासवर्ड का प्रयोग कर अपना वर्कप्लेस अकाउंट एक्सैस कर सकता है।

COVID Preventive Measures

Life @ Satya

Toll Free Number : 1800-102-5644
Phone : (+91-11) 49724000
Web : www.satyamicrocapital.com
E-mail : info@satyamicrocapital.com
Fax : (+91-11) 49724051
Office Address : 519,5th Floor, DLF Prime Towers,
Okhla Industrial Area , Phase-1,
Delhi- 110020, INDIA